श्रीमति जॉन रॉबिन्सन मॉडल

→ **The Accumulati of Capital** → खेल के पूंजीवादी नियमों पर आधारित।

→ यह मॉडल आर्थिक विकास के जनसंख्या वृद्धि के चालक को स्वीकार करते हुए, पूंजी-संचय की दर और उत्पादन वृद्धि पर जनसंख्या के प्रभावों का विश्लेषण करता है।

→ दो आधारभूत तत्वों पर आधारित –

(i) पूंजी निर्माण की दर आय के वितरण पर निर्भर होती है।

(ii) श्रम उपयोग की दर पूंजी की पूर्ति तथा श्रम की पूर्ति पर निर्भर करती है।

→ रॉबिन्सन मॉडल में **All saving and Iruest**

→ श्रम की पर्याप्त पूर्ति है और उद्यमी जितनी मात्रा में चाहे श्रम को रोज़गार पर लगा सकता है।

→ रॉबिन्सन → आर्थिक विकास → साम्य → प्रसाम्य

→ उत्पादन के केवल दो ही साधन { पूंजी, श्रम } उत्पादन के साधन।

→ राष्ट्रीय आय कुल मज़दूरी और कुल लाभों का योग होती है।

$$PY = W.N + \pi PK$$

$$\pi = \frac{P - W}{\theta}$$

$$\pi = \frac{\text{Output of Labours} - \text{Real wage Rate}}{\text{Capital output Ratio}}$$

→ लाभ की दर (π), आय (Y), तथा वास्तविक मजदूरी दर (w) तथा पूंजी-श्रम अनुपात (θ) पर निर्भर करती है।

यदि $\theta \uparrow, \pi \downarrow$, लाभ की दर तब भी बढ़ सकती है, जब पूंजी-श्रम अनुपात कम हो जाय।

जनसंख्या की वृद्धि दर $\left(\frac{\Delta N}{N}\right)$ के अतिरिक्त पूंजी की वृद्धि दर $\left(\frac{\Delta K}{K}\right)$ दूसरा तत्व है जो अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर को निर्धारित करता है और जब जनसंख्या की वृद्धि दर, पूंजी की वृद्धि दर के बराबर हो जाती है, तो यह पूर्ण रोज़-

Scanned by CamScanner

गार तथा पूंजी के पूर्ण उपयोग का सूचक होती है, तथा इसे जॉन रॉबिन्सन ने मॉडल में Golden Age की संज्ञा दी अर्थात –

$$\frac{\Delta N}{N} = \frac{\Delta K}{K}$$

$$\frac{\Delta N}{N} = \frac{\Delta K}{K}$$

wage rate ↑

→ स्वर्ण युग की यह विशेषता है कि मजदूरी दर स्वतः ऊपर उठती रहती है।

Scanned by CamScanner